आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 246 | उज्जैन, शनिवार 26 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रस्त नागरिकों को एयर एम्बुलेंस का लाभ दिलवाने के लिये सजग रहे अधिकारी-मुख्यमंत्री डॉ.

सिंगरौली के गंभीर रोगी को एम्स भोपाल लाकर की गई जीवन रक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने गरीब और जरूरतमंदों को कष्ट के समय में सहायता के लिए एयर एम्बुलेंस की सौगात दी है। यह सुविधा एक बार फिर लाभकारी सिद्ध हुई है। राज्य सरकार ने सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध करते हुए प्रदेश के दूरस्थ और उत्तरप्रदेश की सीमा से लगे सिंगरौली जिले के निवासी संदीप सिंह को किडनी संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए उन्हें पीएम श्री एम्बुलेंस के माध्यम से एयरलिफ्ट करके भोपाल लाया गया और उन्हें बेहतर उपचार के लिए भोपाल एम्स में भर्ती करवाकर जीवन रक्षा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सक इस सेवा का लाभ गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रसत नागरिकों को दिलवाने के

प्रति सजग रहें। जिन व्यक्तियों को इस सेवा की जरूरत है, उनके परिजन भी इसका लाभ लेने के लिए आगे आएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गरीबों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के सभी पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश पहला प्रदेश है जहां जरूरतमंद मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलती है। अब तक 17 जिलों के रोगियों को कठिन समय में एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुश्किल वक्त में यह सुविधा काफी महंगी होती है और गरीबों को संबल स्वरूप राज्य सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सेवा शुरू की है, जिसके अंतर्गत हवाई पट्टी वाले क्षेत्रों में एयर एम्बुलेंस का उपयोग हो रहा है। मरीजों को हेलीकॉप्टर द्वारा एयर लिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली जिले के मरीज श्री संदीप सिंह की समय पर मदद करने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है। एयर एम्बुलेंस सेवा- पात्रता एवं स्वीकृति प्रक्रिया पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों एवं प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित मरीजों को त्वरित एवं सुरक्षित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। यह सेवा राज्य के नागरिकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और जीवन रक्षक सुविधा बन चुकी है। सेवा के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए राज्य के भीतर एवं बाहर के सरकारी व आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज के लिए निःशुल्क वायु परिवहन की सुविधा दी जाती है और जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उनको राज्य के भीतर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए निशुल्क हवाई परिवहन सेवा, और राज्य के बाहर किसी भी अस्पताल में अनुमोदित दरों पर सशुल्क सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है।

पहले थोड़ा कंकड़ गिरा और फिर..., राजस्थान में लापरवाही ने ली सात मासूमों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को राजस्थान में एक बड़ा हादसा हो गया। राज्य के झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल की छत गिर गई। इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई। वहीं, 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए।

इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। पूरी घटना झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल की है। आज सुबह हुई इस घटना ने लोगों को दहला दिया। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के कारण स्कूल की छत गिर गई। किस लापरवाही के कारण हुआ हादसा?

रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हाल के दिनों में ही स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया था कि जो भी विद्यालय जर्जर स्थिति में हैं वहां पर कोई छात्र नहीं पढ़ेंगे। इस बीच कलेक्टर ने बताया कि जो विद्यालय गिरा है, वह ना ही जर्जर भवन सूची में था और ना ही यहां के बच्चों की छुट्टी गई थी।

वहीं, बच्चों ने बताया कि छत गिरने से पहले सीमेंट झड़ रहा था और कंकड़ गिर रहे थे। बच्चों ने बाहर खड़े शिक्षकों को इस बारे में जानकारी दी। हालांकि, उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इससे कई प्रकार के सवाल खड़े हो रहे हैं।

गांधीनगर में तेज रफ्तार कार का कहर, कई राहगीरों को मारी टक्कर; दो लोगों की मौत

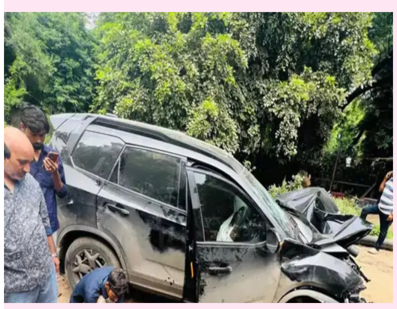

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां पर एक तेज रफ्तार कार न कहर बरपाया है। जानकारी के अनुसार, राजधानी गांधीनगर के रांदेसन इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने राहगीरों के साथ अन्य वाहनों को टक्कर मारी है।

इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पुलिस पहुंची, जिसके बाद आगे की कार्रवाई को शुरू किया गया।

तेज रफ्तार कार ने बरपाया कहर - जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर के रांदेसन इलाके में भाजीपुरा से सिटी पल्स सिनेमा की ओर जाने वाली सड़क पर एक सफारी कार को एक शख्स तेजी से भगा रहा था। इस दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और राहगीरों के साथ अन्य वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि इस कार ने चार लोगों को कुचल दिया।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी, CDS जनरल अनिल चौहान ने देश के सैनिकों को क्या दी सलाह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित एक रक्षा संगोष्ठी के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सेना को शस्त्र (युद्ध) और शास्त्र (ज्ञान) दोनों सीखना आवश्यक है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी। भारतीय सेना ने 7 मई की रात गुलाम कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। सेना के मुताबिक, इस ऑपरेशन में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने आधुनिक युद्ध की बदलती रणनीतियों पर भी अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि आज की लड़ाइयां पारंपरिक सीमाओं में नहीं सिमटी है। आज के समय में युद्ध पारदर्शी, तीव्र, बहु क्षेत्रीय और तकनीकी रूप से बेहद जटिल हो गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज का युद्ध केवल बंदूक और टेंक तक सीमित नहीं रह गया है।

सीडीएस ने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में एक योद्धा को सामरिक, परिचालन और रणनीतिक स्तरों पर एक साथ दक्ष होना होगा। उन्हें थल, जल, वायु के साथ-साथ साइबर और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे नए युद्ध क्षेत्रों में भी सक्षम होना पड़ेगा।

थर-थर कांपेंगे दुश्मन! ड्रोन से दागे मिसाइल, भारत ने ULPGM-V3 मिसाइल का किया सफल परीक्षण

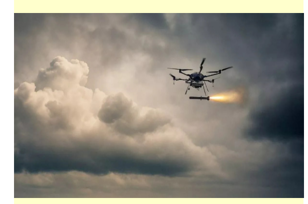

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अपनी सैन्य ताकत को और बुलंद करते हुए एक नई उपलब्धि हासिल कर ली है।

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में नेशनल ओपन एरिया रेंज में यूएवी-लॉन्च्ड प्रेसिजन गाइडेड मिसाइल (ULPGM)-V3 का कामयाब परीक्षण किया है। यह मिसाइल ड्रोन से छोड़ी गई और इसने अपनी सटीक निशानेबाजी से सबको हैरान कर दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, "DRDO और इंडस्ट्री पार्टनर्स, DcPPs, MSMEs और स्टार्टअप्स को ULPGM-V3 की तरक्की और कामयाब परीक्षण के लिए शुभकामनाएं। यह कामयाबी साबित करती है कि भारतीय इंडस्ट्री अब अहम फौजी टेक्नोलॉजी को अपनाने और बनाने के लिए तैयार है।

गाइडेड मिसाइल प्रोग्राम के लिए बेहद अहम

ULPGM-V3 की खासियतों का ब्योरा भले ही गोपनीय हो, लेकिन यह मिसाइल भारत के गाइडेड मिसाइल प्रोग्राम का अहम हिस्सा है। इससे पहले ULPGM-V2 को DRDO की टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लैबोरेट्री ने तैयार किया था, जिसमें कई तरह के वारहेड्स शामिल थे।

V3 में इमेजिंग इंफ्रारेड सीकर्स और ड्यूल-थ्रस्ट प्रोपल्शन सिस्टम जैसी नई टेक्नोलॉजी होने की उम्मीद है, जो इसे और भी ताकतवर बनाती है।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनाथ सिंह सोमवार को करेंगे चर्चा की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत सोमवार को हो सकती है। सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चर्चा की शुरुआत करेंगे। राजनाथ के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और सांसद अनुराग ठाकुर के चर्चा में भाग लेने की उम्मीद है। वहीं राज्यसभा में इस पर मंगलवार को चर्चा होगी। पीएम मोदी लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा के दौरान भाग ले सकते हैं। विपक्ष लंबे वक्त से ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग कर रहा है।

मालदीव में पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम, एअरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंची मुइज्जू की पूरी कैबिनेट

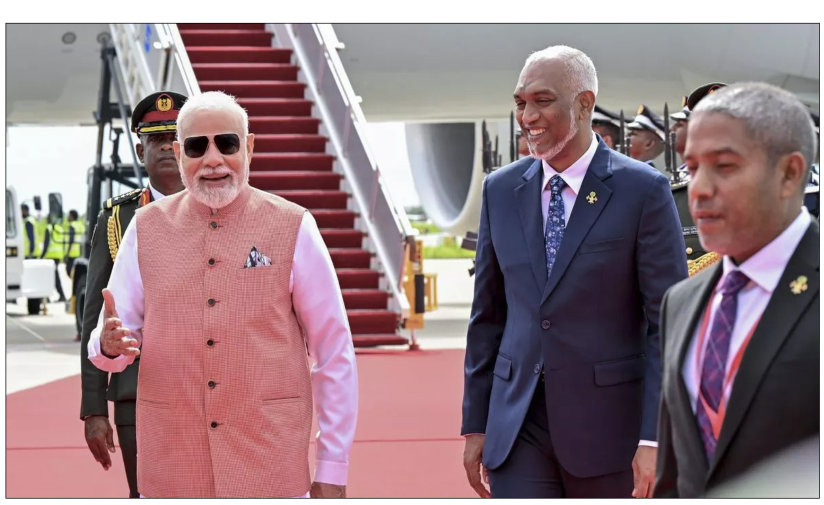

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अपने चार दिसवीय ब्रिटेन और मालदीव के दौरे पर हैं। अपना दो दिनों का ब्रिटेन का आधिकारिक दौरा पूरा करने के बाद आज पीएम मोदी मालदीव पहुंचे हैं।

शुक्रवार को मालदीव की राजधानी माले में पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी के स्वागत के लिए खुद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू एअरपोर्ट पहुंचे।

माले में पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत- माले एअरपोर्ट पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान मोइज्जू के कैबिनेट मिनिस्टर भी मौजूद रहे। मालदीव के राष्ट्रपति मोइज्जू ने गले मिलकर पीएम मोदी का स्वागत किया।

दो दिवसीय मालदीव के दौरे पर पहुंचे हैं पीएम मोदी- जानकारी दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर शुक्रवार को मालदीव पहुंचे। मालदीव के स्वतंत्रता दिवस की 60वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्य अतिथि के तौर पर निमंत्रण दिया गया है। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

Coldplay Concert की वायरल HR हेड क्रिस्टिन कैबोट ने भी दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट और कंपनी के पूर्व CEO एंडी बायरन की जोड़ी उस वक्त सुर्खियों में आ गई, जब दोनों को कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट में किस कैम पर एक-दूसरे के गले लगते और झूमते देखा गया।

यह नजारा 16 जुलाई को बोस्टन, मैसाचुसेट्स के पास हुए कॉन्सर्ट में जंबो स्क्रीन पर दिखा। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। अब खबर है कि कंपनी की एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है।

एस्ट्रोनॉमर ने बीबीसी को दिए बयान में पुष्टि की कि क्रिस्टिन कैबोट अब कंपनी का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, न तो क्रिस्टिन और न ही कंपनी ने औपचारिक तौर पर उनके इस्तीफे की घोषणा की है। दूसरी ओर, एंडी बायरन पहले ही पिछले हफ्ते कंपनी छोड़ चुके हैं।

किस कैम ने मचाया हंगामा- 16 जुलाई को कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट में जब किस कैम ने क्रिस्टिन और एंडी पर फोकस किया, तो दोनों गले मिलते और संगीत पर झूमते नजर आए। लेकिन कैमरे का ध्यान उन पर पड़ते ही दोनों झट से छिप गए।

इस नजारे को देख कोल्डप्ले के लीड सिंगर क्रिस मार्टिन ने मजाक में कहा, या तो ये लोग चुपके-चुपके प्यार कर रहे हैं, या फिर बहुत शर्मीले हैं।

इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और इंटरनेट पर लोगों ने दोनों को पहचान लिया।कंपनी ने कहा कि उनके ष्टश्चह्न को जांच पूरी होने तक छुट्टी पर भेजा जा रहा है। इसके कुछ ही दिन बाद, 20 जुलाई को कंपनी ने ऐलान किया कि एंडी बायरन ने इस्तीफा दे दिया है।

'किस कैम' एक तरह का चलन है। ये खासकर अमेरिका और पश्चिमी देशों में ईवेंट के आयोजनों के दौरान देखने को मिलती है। इसके तहत किसी हल्के-फुलके इवेंट में स्टेडियम में बैठे दर्शकों में से किसी जोड़े को कैमरे में कैद किया जाता है और उन्हें सबके सामने एक-दूसरे को किस के लिए प्रोत्साहित जाता है। बता दें इस पल को लाइव कैमरे में कैद कर बड़े स्क्रीन्स पर दिखाया जाता है।

कंपनी की शोहरात रातों-रात बढ़ी- एस्ट्रोनॉमर ने बयान में कहा, एंडी बायरन का इस्तीफा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने स्वीकार कर लिया है। अब हम नए CEO की तलाश शुरू करेंगे, जबकि हमारे को-फाउंडर और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर पीट डेजॉय अंतरिम CEO की भूमिका निभा रहे हैं।

डेटा, एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में काम करने वाली इस कंपनी ने यह भी कहा कि इस घटना से उनकी लोकप्रियता रातोंरात बढ़ गई, लेकिन उनका काम और ग्राहकों के लिए उनकी सेवा पर कोई असर नहीं पड़ा है।

कंपनी ने आगे कहा, हम वही कर रहे हैं, जो हमें सबसे अच्छा आता है- अपने ग्राहकों की AI समस्याओं का समाधान।

बौद्ध से कैसे इस्लामी देश बना मालदीव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रबी उल आखिर की दूसरी तारीख के अवसर पर मालदीव में इस्लाम धर्म अपनाने की 896वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। मालदीव का यह धार्मिक परिवर्तन सिर्फ एक धार्मिक बदलाव नहीं था, बल्कि इसने देश की संस्कृति, परंपराओं और शासन प्रणाली को भी गहराई से प्रभावित किया।

मालदीव में इस्लाम धर्म से पहले बौद्ध धर्म मानने वालों की संख्या काफी ज्यादा थी, इसलिए वहां पर बौद्ध धर्म का प्रचलन था। माना जाता है कि मालदीव में बौद्ध धर्म तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में आया था।

मालदीव के कई द्वीपों पर आज भी बौद्ध स्तूप और मठ के अवशेष मिलते हैं, जो उस समय की धार्मिक मान्यताओं की झलक दर्शाते हैं। 12वीं सदी में एक विद्वान और इस्लाम प्रचारक अबू अल-बरकत यूसुफ अल-बरबरी मालदीव पहुंचे थे।

मालदीव में कैसे आया इस्लाम- कुछ ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, अल-बरबरी उत्तरी अफ्रीका के रहने वाले थे, जबकि अन्य मानते हैं कि वे वर्तमान सोमालिया या ईरान से आ सकते हैं। उन्होंने उस समय के राजा धोवेमी को इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित किया, जो बाद में सुल्तान मुहम्मद अल-आदिल के नाम से जाने गए।

इस्लाम को अपनाने के बाद मालदीव की संस्कृति, परंपराएं और शासन व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया। धार्मिक शिक्षा समाज में गहराई से जुड़ गई जिससे जीवनशैली से लेकर स्थापत्य कला तक पर असर पड़ा।

मालदीव ने अपनाया शरिया कानून- इस्लामी शासन आने के बाद शरिया कानून को मालदीव के न्यायिक और प्रशासनिक ढांचे में शामिल किया गया। कई सदियों तक मालदीव एक इस्लामी सल्तनत रहा। हालांकि, 1968 में यह एक गणराज्य बना, लेकिन इस्लाम आज भी देश के संविधान और शासन की नींव है।

अमेरिका में अश्वेत छात्र से पुलिस की बदसलूकी, कार से खींचकर घसीटा और लात-घूंसों से पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अश्वेत छात्र को ट्रैफिक पर रोकने के दौरान फ्लोरिडा के पुलिस अधिकारियों ने कार से खींचकर घसीटा और घूंसे मारे। यह घटना फरवरी की है, लेकिन इसका वीडियो अब सामने आया है। मुक्का लगने से उसका एक दांत टूटकर होंठ में घुस गया, जिसके कारण कई टांके लगे।

इस फुटेज के सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश है। डैशकैम वीडियो में मैकनील ड्राइवर सीट पर बैठे हैं और जैक्सनविले के पुलिस सुपरवाइजर से बात करने की गुहार लगा रहे हैं, तभी एक पुलिसकर्मी ने उनकी गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। उनके चेहरे पर मुक्का मारा और गाड़ी से बाहर खींचकर फिर से मुक्का मारा। काफी डर गया था छात्र

एक अन्य पुलिसकर्मी उन्हें जमीन पर गिरा दिया और पैर पर वार किया। 22 वर्षीय छात्र विलियम मैकनील जूनियर ने कहा कि उस दिन मैं बस यह जानना चाहता था कि मुझे क्यों रोका जा रहा है। मुझे पता था कि मैंने कुछ गलत नहीं किया। मैं बस डरा हुआ था। लिविंगस्टोन के अध्यक्ष एंथनी डेविस ने बताया कि मैकनील जीवविज्ञान में स्नातक हैं।

अमेरिका देता रहा चेतावनी, भारतीय कंपनी ने रूस भेजे विस्फोटक; डोनाल्ड ट्रंप ने भी दी थी धमकी

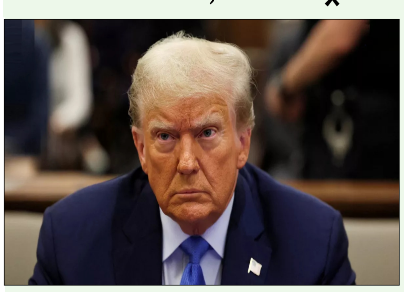

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद एक भारतीय कंपनी ने सैन्य उपयोग के लिए 14 लाख डॉलर मूल्य का विस्फोटक रूस भेजा। गौरतलब है कि अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध में रूस का समर्थन करने वाली किसी भी संस्था पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी।

विस्फोटक सेंट पीटर्सबर्ग में उतारे गए थे- समाचार एजेंसी ने तेलंगाना स्थित भारतीय कंपनी आइडियल डेटोनेटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दिसंबर में भेजे गए दो एचएमएक्स शिपमेंट की पहचान की है। भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार विस्फोटक सेंट पीटर्सबर्ग में उतारे गए थे। शिपमेंट की जानकारी रखने वाले भारतीय सरकारी अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

दूसरी खेप प्रोमसिनटेज ने खरीदी- 10 लाख डॉलर मूल्य की खेप हाई टेक्नोलाजी इनिशिएशन सिस्टम्स नामक रूसी कंपनी ने खरीदी थी। 10 लाख डॉलर से अधिक मूल्य की दूसरी खेप प्रोमसिनटेज ने खरीदी। दोनों कंपनियां कजाकिस्तान की सीमा के पास समारा ओब्लास्ट में स्थित हैं।

चीन के विदेश मंत्री ने आसिम मुनीर की लगाई क्लास! PAK आर्मी चीफ को क्यों होना पड़ा शर्मिंदा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। खुद को चीन का परम मित्र कहने वाले पाकिस्तान को जोर का झटका लगा है। दरअसल, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर इन दिनों चीन के आधिकारिक दौरे पर हैं।

हाल ही में विदेश मंत्री वांग यी ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात के दौरान वांग यी ने पाकिस्तान में मौजूद चीनी नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान में हुए आतंकी हमलों में कई चीनी नागरिकों की जान चली गई है।

हालांकि, मुनीर ने चीन को आश्वासन दिया कि पाकिस्तान की सेना चीनी नागरिकों की सुरक्षा करेगी। पिछले साल अक्टूबर महीने में कराची हवाई अड्डे पर हुए एक आत्मघाती हमले बम विस्फोट में पांच चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी।

चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे पाकिस्तान- बैठक में चीन ने स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान को उसके नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। वांग यी ने यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना चीन की प्राथमिकता है।

जनरल मुनीर की यह यात्रा पाकिस्तान की एक व्यापक 'मिलिट्री डिप्लोमेसी' रणनीति का हिस्सा है। इससे पहले वह अमेरिका, सऊदी अरब, तुर्की, ईरान, अजरबैजान और श्रीलंका की यात्राएं कर चुके हैं।

मुनीर ने चीन के विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान कहा कि पाकिस्तानी सेना चीन और पाक की दोस्ती की समर्थक है। पाकिस्तानी सेना इन दोनों देशों के बीच के संबंधों के विकास के लिए आगे भी प्रयास करते रहेगी।

Fuel Control Unit में नहीं मिली कोई खराबी, अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे पर FAA ने अब क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघीय विमानन प्रशासन (स्न्र) ने गत गुरुवार को अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की है। एफएए की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पिछले महीने एयर इंडिया बोइंग 787 जेट की घातक दुर्घटना किसी यांत्रिक समस्या या ईंधन नियंत्रण इकाई या स्विच की असावधानी से हुई दुर्घटना के कारण नहीं हुई थी।

दरअसल, संवाददाताओं से बात करते हुए एफएए के प्रशासक ब्रायन बेडफोर्ड ने कहा कि हम पूरे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि यह बोइंग ईंधन नियंत्रण इकाई में कोई यांत्रिक समस्या नहीं है।

किसी गड़बड़ी का मामला नहीं- संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने बताया कि एफएए के कर्मचारियों ने इन इकाइयों को बाहर निकाला, उनका परीक्षण किया और निरीक्षकों को विमान में बुलाकर उनकी समीक्षा करने को कहा। उन्होंने आगे बताया कि अभी तक की जांच के अनुसार, किसी भी प्रकार की कोई समस्या ईंधन नियंत्रण में गड़बड़ी की नहीं मिली है। हालांकि, इस मामले में अभी बोइंग और एयर इंडिया की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

एयर इंडिया ने की अपने बोइंग विमानों की जांच- जानकारी दें कि हाल के दिनों में केंद्र सरकार के आदेश के बाद एयर इंडिया ने सभी 787 और 737 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच लॉकिंग तंत्र का एहतियाती निरीक्षण पूरा कर लिया है। इस संबंध में एयर इंडिया ने कहा कि बोइंग विमानों की जांच के दौरान किसी किसी प्रकार की कोई समयस्या नहीं पाई गई।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष दूसरे दिन भी जारी, अब तक 15 की मौत; UN ने बुलाई आपात बैठक

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर भयंकर सैन्य झड़पों ने दोनों मुल्कों को जंग के कगार पर ला खड़ा किया है। थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि इन झड़पों में 15 लोग मारे गए, जिनमें 14 आम नागरिक और एक सैनिक शामिल हैं, जबकि 46 लोग घायल हुए।

कंबोडिया ने अभी तक अपने नुकसान की कोई खबर नहीं दी। हिंसा की शुरुआत बुधवार को एक बारूदी सुरंग के धमाके से हुई, जिसमें पांच थाई सैनिक घायल हो गए। इस घटना ने दोनों मुल्कों के बीच तनाव को और भड़का दिया।

थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्री सोमसाक ने कंबोडिया पर आम नागरिकों और एक अस्पताल पर हमले का आरोप लगाया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा, ÷हम कंबोडिया सरकार से गुजारिश करते हैं कि वो फौरन इसे रोकें और अमन की राह पर लौटे।÷यूएन में होगी आपातकालीन बैठक

थाईलैंड ने कहा कि एक दशक में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सबसे खूनी सीमा लड़ाई में 100,000 से अधिक लोग बॉर्डर का इलाका छोड़कर पलायन कर गए हैं।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मैनेट के कहने पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद दोनों देशों की सीमा पर झड़पों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को एक आपातकालीन बैठक आयोजित करेगी।

मां के सामने 12वीं मंजिल से गिरी चार साल की बच्ची, मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के नाइगांव इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है, जहां एक चार साल की बच्ची की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई।

यह हादसा बुधवार रात करीब 8 बजे का है, जब बच्ची अपनी मां के साथ घर से बाहर जाने के लिए तैयार हो रही थी।

बच्ची का नाम अनविका प्रजापति बताया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि अनविका पहले घर से बाहर निकलती है फिर उसकी मां उसके पीछे आती है। जब मां घर का दरवाजा बंद कर रही होती है, तो उसी वक्त बच्ची वहीं पास पड़ी चप्पल पहनने की कोशिश कर रही होती है।

संतुलन बिगड़ने से हुई घटना- इसके बाद उसकी मां बच्ची को उठाकर पास में रखे जूते रखने की अलमारी पर बैठा देती है। इसी दौरान बच्ची शू-कबर्ड पर खड़ी हो जाती है और खिड़की के किनारे पर बैठने की कोशिश करती है। लेकिन वह अपना संतुलन खो देती है और नीचे गिर जाती है। यह सबकुछ कुछ ही सेकेंड में हो गया। बच्ची की मां को जैसे ही समझ आया कि क्या हुआ है, उसने जोर-जोर से चिल्लाकर मदद मांगी। आसपास के लोग दौड़कर पास आए और बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

डॉक्टरों ने किया मृत घोषित- बच्ची को वसई वेस्ट के सर डीएम पेटिट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह दर्दनाक घटना नवकार सिटी नाइगांव मुंबई की बताई जा रही है। पुलिस ने हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है।

पिछले छह सालों में कितने लोगों ने छोड़ी भारतीय नागरिकता? सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बड़ी संख्या में हर वर्ष लाखों भारतीय नागरिकता छोड़ कर दूसरे देश में बस रहे हैं। इस बीच केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि साल 2024 में भी दो लाख से अधिक लोगों ने भारत की नागरिता छोड़ी है।

हालांकि, ये आंकड़ा साल 2023 के मुकाबले कम है। बता दें कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में आंकड़े की जानकारी देते हुए सरकार ने बताया कि इन आंकड़ों में पिछले छह साल का डाटा शामिल है। आंकड़ों से पता चलता है कि गत वर्षों में भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या में इजाफा देखने को मिला है।

विदेश राज्यमंत्री ने दी जानकारी- जानकारी दें कि विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में आंकड़ा पेश करते हुए बताया कि साल 2024 में 2 लाख छह हजार, साल 2023 में 2,16, 219 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी है।

इसके अलावा साल 2022 में कुल 2 लाख 25 हजार लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी है। इसके अलावा साल 2021 में 1 लाख 63 हजार से अधिक लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी है।

हाई रिटर्न के दिखाए हसीन सपने, फ्रॉड से जुटाए 1600 करोड़ रुपये; ईडी ने दायर की चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलएफएस ब्रोकिंग नामक एक कंपनी के जरिए हजारों लोगों को मुनाफे का लालच देकर योजनाओं में निवेश कराया गया। लोगों को तुरंत रिटर्न का भरोसा दिया गया था, लेकिन एक निवेशक और कंपनी की ओर से किए गए निवेश के जरिए कम से कम 1,600 करोड़ रुपये की ठगी की गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है और अब कोलकाता की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। इस घोटाले का मास्टरमाइंड सैयद जियाजुर रहमान इस कंपनी को चलाता था। ये कंपनी बाजार नियामक सेबी के पास पंजीकृत भी थी।

फर्जी फर्मों में निवेश और हवाला का किया इस्तेमाल- इसी नाम से कई अन्य कंपनियां भी बनाई गई, जैसे एलएफएस ब्रोकिंग, पीएमएस सर्विसेज, आदि। ईडी ने कहा कि आरोपियों ने लोगों से पैसा इकट्ठा किया और उसे फर्जी फर्मों में निवेश किया, फिर कंपनियों और बैंक खातों के एक नेटवर्क के जरिए हवाला जैसे अवैध माध्यमों से यूएई भेज दिया। इसके बाद आरोपी ने संयुक्त अरब अमीरात में संपत्तियां खरीदीं और सैयद जियाजुर गोल्डस्मिथ कंपनी एलएलसी नाम से एक कंपनी बनाई, जो उसके नाम पर थी।

द रामेश्वरम कैफे के खाने में मिला था कीड़ा, अब शिकायत करने वालों पर ही ब्लैकमेलिंग का आरोप; 25 लाख रुपये मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर एक साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के खाने में कीड़ा मिलने की शिकायत के बाद अब ब्रांड ने शिकायतकर्ताओं के खिलाफ ही शिकायत दर्ज करा दी है। ब्रांड का कहना है कि शिकायतकर्ताओं ने झूठे आरोप लगाकर पैसे ऐंठने की कोशिश की।

मामला प्रसिद्ध साउथ इंडियन रेस्टोरेंट चेन द रामेश्वरम कैफे का है। गुरुवार को इस रेस्टोरेंट के बेंगलुरु एयरपोर्ट स्थित आउटलेट पर एक ग्राहक ने खाने में कीड़ा मिलने का आरोप लगाया था। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

25 लाख रुपये की डिमांड की- अब रेस्टोरेंट ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए बयान जारी किया है। द रामेश्वरम कैफे ने कहा कि 5-7 लोगों के एक ग्रुप ने परोसे गए खाने में कीड़ा मिलने का आरोप लगाया और फिर इसके बाद हंगामा खड़ा किया। ब्रांड ने कहा कि इन लोगों ने इसके बदले में मुआवजा मांगा और ऐसा नहीं करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

रेस्टोरेंट ने कहा कि ब्रांड को इनकी तरफ से एक फोन आया, जिसमें बदनामी से बचाने की एवज में 25 लाख रुपये कैश मांगे गए। रेस्टोरेंट ने कहा कि उसने पुलिस को कॉल रिकॉर्ड, चैट के स्क्रीनशॉट और अन्य जरूरी दस्तावेज सौंप दिए हैं।

ब्लैकमेल करने का लगाया आरोप- द रामेश्वरम कैफे की तरफ ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। रामेश्वरम कैफे की संस्थापक दिव्या राघव ने कहा खाने में कीड़ा मिलने की बात पूरी तरह बेबुनियाद है। हमारे किसी भी आउटलेट में सुरक्षा और स्वच्छता से समझौता नहीं किया जाता।

बचत का कॉन्सेप्ट भूल रहे भारतीय, घर-गाड़ी और लग्जरी लाइफ के लिए ले रहे मोटा कर्ज; GDP में घरेलू ऋण 42% तक पहुंचा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मारे देश में एक पुरानी कहावत है 'जितनी लंबी चादर हो पैर उतने ही पसारने चाहिए' लेकिन मौजूदा वक्त इसकी मान्यता कम होती जा रही है। इसकी जगह चार्वाक का सिद्धांत 'ऋणं कृत्वा घृतम् पिवेत भस्मीभूतस्य देहस्य पुनर्जन्म किमपि' लोकप्रिय होता जा रहा है। आमदनी में वृद्धि, विलासिता के साधनों का बड़े पैमाने पर उत्पादन और जीवन शैली में बदलाव इसके मुख्य कारण हैं।

यह स्थिति विश्वव्यापी है, भारत इसका कोई अपवाद नहीं है, यद्यपि उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में अभी भी यह कम है और नियंत्रण में है। खाने-पीने और आवश्यक वस्तुओं पर होने वाले खर्च का प्रतिशत आवास, मोटर वाहनों, एसी, रेफ्रिजरेटर, इलेक्ट्रॉनिक सामान, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं आदि पर खर्च की अपेक्षा कम होता जा रहा है।

कहां होता है सबसे ज्यादा खर्च- मनचाही वस्तुओं के उपभोग के लिए यदि अपने पास साधन नहीं हों, तब भी ऋण लेकर उन्हें पूरा करने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती जा रही है। कुछ लोगों के लिए ऋण भी एक तरह से आमदनी का स्रोत बनता जा रहा है। इसके लाभ कम हैं, लेकिन हानि अधिक है।

घर-द्वार बनाने में पहले जीवन भर की कमाई लग जाती थी, आज नौकरी लगते ही बैंक से ऋण मिल जाता है और फ्लैट बुक किया जा सकता है।

कार, एसी, रेफ्रिजरेटर, कंप्यूटर, लैपटाप आदि के लिए आसानी से बैंकों से ऋण उपलब्ध हो जाता है, जिसका भुगतान आराम से किस्तों में किया जा सकता है।

छोटे-बड़े उद्योगों, खेती-बागवानी, वाणिज्य-व्यापार आदि के लिए बड़े पैमाने पर आज ऋण की व्यवस्था है, जो अर्थव्यवस्था को गति देती है, लोगों को रोजगार देती है और आमदनी में वृद्धि करती है। ऋण दुखदाई तब हो जाता है जब लेने वाले में उसके भुगतान की क्षमता नहीं होती।

अकोला में भरभराकर ढहा पुराना किला, भारी बारिश बनी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अकोला जिले के पास बलापुर क्षेत्र में एक प्राचीन किले का जर्जर हिस्सा ढह गया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह पूरी घटना पास खड़े लोगों ने अपने फोन में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे पहले किले की दीवारों में कमजोरी देख रहे थे। गुरुवार को भारी बारिश के बाद दीवारें हिलने लगीं और अचानक एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया।

कैसे घटी घटना- शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ समय से हो रही लगातार बारिश और सरकार की लापरवाही की वजह से यह किला काफी कमजोर हो गया था। पहले से ही जर्जर हालत में मौजूद किला अब और भी खतरनाक हो चुका है।

बता दें, यह किला राजा जयसिंह के समय का माना जाता है और महाराष्ट्र की ऐतिहासिक विरासत का हिस्सा है।

महाराष्ट्र में भारी बारिश का दौर जारी- शुक्रवार सुबह से मुंबई में जोरदार बारिश जारी है। अंधेरी, बोरीवली, दहिसर, मलाड, गोरेगांव, कांदिवली, सांताक्रूज, विले पार्ले और बांद्रा जैसे इलाकों में तेज बारिश के कारण ट्रैफिक धीमा हो गया।

कहां-कहां रेड अलर्ट जारी- अभी तक मुंबई में बड़े जलभराव की खबर सामने नहीं आई है। हालांकि, प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और बिना जरूरत घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

कोकण क्षेत्र और महाराष्ट्र के घाट इलाकों में भी भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। सतारा, पुणे और कोल्हापुर जैसे जिलों में भी बारिश का असर देखा जा रहा है। इन क्षेत्रों के लिए गुरुवार और शुक्रवार को बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

मेटा की मायावी चेतावनी....

कल सुबह की बात है। चाय का प्याला हाथ में लेकर अखबार पढ़ ही रहा था कि मोबाइल की स्क्रीन पर दुनिया बदलने वाला एक मैसेज आ टपका। लिखा था चेतावनी! कल से फेसबुक, मेटा के नाम से आपके चित्रों का उपयोग कर सकता है। आज अंतिम दिन है विरोध दर्ज कराने का। नीचे एक लंबा-चौड़ा घोषणा-पत्र टाइप स्टेटमेंट था मैं फेसबुक को अपने कल, आज और भविष्य के चित्रों, विचारों, संदेशों या रचनाओं के उपयोग की अनुमति नहीं देता/देती।

पढ़कर एक क्षण को तो लगा कि देश के सभी संविधान विशेषज्ञों ने संयुक्त रूप से संविधान संशोधन प्रस्ताव व्हाट्सऐप स्टेटस में डाल दिया है।

सच कहूं तो यह वही दृश्य था, जब आदमी तकनीक के समुद्र में तैरते हुए भी तथ्य की पतंग को फॉरवर्ड की डोर से उड़ाता है। सोशल मीडिया की यही तो खूबी है, कि यहां हर तीसरा प्राणी 'डिजिटल गुरु', कविता संकलन संपादक, और कानूनी सलाहकार होता है ,बशर्ते वो अपने फॉरवर्ड को सच मानने को तैयार हो।

जो मित्र आज तक बैंक लॉगिन और लॉगआउट में उलझे रहते थे, वे अचानक 'डिजिटल अधिकारों' की रक्षा में सुप्रीम कोर्ट के जज बन गए! जिन्होंने अब तक अपना पर्स,अपनी बैंक की पासबुक पत्नी से छिपाकर रखी, वे भी 'प्राइवेसी राइट्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं,फेसबुक को ललकार कर।

हमारे मोहल्ले के शर्मा जी सहित कई मूर्धन्य विद्वानों ने बिना किसी फैक्ट चेक के भेड़ चाल चलते हुए तुरंत बाकायदा स्टेटस डाला मैं मेटा को सूचित करता हूं कि मेरी प्रोफाइल और इसकी सामग्री पर आपका कोई अधिकार नहीं है।। जो लेखक महोदय चाहते हैं कि उनकी कथित कविता हर अखबार कापी पेस्ट कर छाप कर उन्हें धन्य करे उन साहित्यकार महोदय ने भी यह घोषणा यथावत रिपीट कर दी। समझ सकते हैं कि फेसबुक के सर्वर अमेरिका में हैं और शर्मा जी की समझ अलमारी में बंद पुराने रेडियो जैसी। फेसबुक वाले तो इन बयानों पर शायद उतना ही ध्यान देंगे जितना रेलवे स्टेशन पर लोग 'जागरूकता पोस्टर' पर देते हैं। और इसी बीच, एक नया खेल शुरू हो जाता है । गंभीर चेतावनी को कॉपी-पेस्ट न करने वाले अगले सात दिन में दुर्भाग्य के शिकार होंगे। अब देखिए, यह चेतावनी है या श्राप? सोशल मीडिया क्या बन गया है, सूचना का तांत्रिक अखाड़ा?राम राम लिखने भर से 7 घंटों में धन की बौछार होने लगे तो अदानी अपने सब कर्मचारी इसी काम में लगा दें।इस सब में असली मज़ा तब आता है, जब कोई प्रबुद्ध आत्मा, अपने टूटे फूटे कविता टाइप के स्टेटस को महादेवी वर्मा की रचना बता देता है। कविता कुछ यूँ होती है, तेरा मेरा रिश्ता है वाईफाई से जुड़ा, पासवर्ड गलत हो तो दिल भी जुदा।

और नीचे लिखा होता है कवियित्री महादेवी वर्मा । बारम्बार यदि यही फॉरवर्ड रिपीट हो जाए तो गूगल के सर्वर भी कनफ्यूजिया जाते हैं, और प्रश्न करने पर कि ये पंक्तियां किसकी हैं, उत्तर मिलता है महादेवी वर्मा की। इस तरह स्व. महादेवी जी को नए संग्रह के लिए स्वर्ग में ही बैठे बैठाए नई सामग्री सुलभ हो जाती है।

कविताओं से लेकर खबरों तक, यहां हर कोई शेयर के बटन से विद्वान बन चुका है। किसी दिन सूरज पश्चिम से उग जाए, और कोई उसे क्व्हृद्गड्डद्बद्धठ्ठद्द हृद्ग2ह्य ग्रहों की चाल बदली के साथ शेयर कर दे तो आश्चर्य मत करना। ये सिलसिला सिर्फ कविताओं या चेतावनियों तक ही सीमित नहीं है। कभी आपको संदेश मिलेगा खाली पेट लहसुन खाइए, तो कैंसर भाग जाएगा। कैंसर अगर लहसुन से भागता, तो हर सब्जी वाले को ऑन्कोलॉजिस्ट घोषित कर देना चाहिए था।

विजय दिवस

विजय दिवस प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य में आज से 26 वर्ष पहले भारतीय सेना ने 26 जुलाई, 1999 के ही दिन नियंत्रण रेखा से लगी कारगिल की पहाड़ियों पर कब्ज़ा जमाए आतंकियों और उनके वेश में घुस आए पाकिस्तानी सैनिकों को मार भगाया था। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ यह पूरा युद्ध ही था, जिसमें पांच सौ से ज़्यादा भारतीय जवान शहीद हुए थे। इन वीर और जाबांज जवानों को पूरा देश 26 जुलाई के दिन याद करता है और श्रद्धापूर्वक नमन करता है। देश की इस जीत में कारगिल के स्थायी नागरिकों ने भी बड़ी भूमिका निभाई थी।

युद्ध की पृष्ठभूमि- कारगिल युद्ध, जो कि कारगिल संघर्ष के नाम से भी जाना जाता है, भारत और पाकिस्तान के बीच 1999 में मई के महीने में कश्मीर के कारगिल ज़िले से प्रारंभ हुआ था। इस युद्ध का महत्त्वपूर्ण कारण था बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों व पाक समर्थित आतंकवादियों का लाइन ऑफ कंट्रोल यानी भारत-पाकिस्तान की वास्तविक नियंत्रण रेखा के भीतर घुस आना। इन लोगों का उद्देश्य था कि कई महत्त्वपूर्ण पहाड़ी चोटियों पर क़ब्ज़ा कर लेह-लद्दाख को भारत से जोड़ने वाली सड़क का नियंत्रण हासिल कर सियाचिन ग्लेशियर पर भारत की स्थिति को कमज़ोर कर हमारी राष्ट्रीय अस्मिता के लिए खतरा पैदा करना। पूरे दो महीने से भी अधिक समय तक चले इस युद्ध में भारतीय थलसेना व वायुसेना ने लाइन ऑफ कंट्रोल पार न करने के आदेश के बावजूद अपनी मातृभूमि में घुसे आक्रमणकारियों को मार भगाया था। स्वतंत्रता का अपना ही मूल्य होता है, जो वीरों के रक्त से चुकाया जाता है।

जवानों की शहादत- इस युद्ध में भारत के पाँच सौ से भी ज़्यादा वीर योद्धा शहीद हुए और 1300 से ज्यादा घायल हो गए। इनमें से अधिकांश जवान अपने जीवन के 30 वसंत भी नहीं देख पाए थे। इन शहीदों ने भारतीय सेना की शौर्य व बलिदान की उस सर्वोच्च परम्परा का निर्वाह किया, जिसकी सौगन्ध हर भारतीय सिपाही तिरंगे के समक्ष लेता है। इन रणबाँकुरों ने भी अपने परिजनों से वापस लौटकर आने का वादा किया था, जो उन्होंने निभाया भी, मगर उनके आने का अंदाज़निराला था। वे लौटे, मगर लकड़ी के ताबूत में। उसी तिरंगे मे लिपटे हुए, जिसकी रक्षा की सौगन्ध उन्होंने उठाई थी। जिस राष्ट ध्वज के आगे कभी उनका माथा सम्मान से झुका होता था, वही तिरंगा मातृभूमि के इन बलिदानी जाँबाजों से लिपटकर उनकी गौरव गाथा का बखान कर रहा था।

युद्ध के अवशेष- पाकिस्तान के विरुद्ध लड़े गए चौथे युद्ध के चिह्न कारगिल में नज़र आ जाते हैं। पाकिस्तानी गोलाबारी से बचने के लिए घरों में बनाए गए बंकर भी मौजूद है। पर्यटन बढ़ने के साथ-साथ अब उन्हें गेस्ट हाउस व होटलों में परिवर्तित किया जा रहा है। कारगिल युद्ध को खत्म हुए 26 साल बीत जाने के बाद भी सेना काफ़ी सतर्क है। 168 किलोमीटर लंबी नियंत्रण रेखा जो द्रास, कारगिल और बटालिक से गुज़रती है, उस पर नज़र के लिए सेना की संख्या काफ़ी बढ़ा दी गई है। 1999 में यह तादाद जहाँ 4000 हज़ार थी, वो अब 20 हज़ार के क़रीब है। जिस कारगिल को पाने के लिए सैकडों जवानों को शहीद होना पड़ा, उसकी जीत के इतने साल पूरे होने पर सेना एक बार फिर उन्हें श्रद्धांजलि देकर ये दिखाना चाहती है कि आज भी उनकी यादें यहाँ की फिजाओं में ज़िंदा है।

पर्यटन का विकास- कारगिल के साथ ही साथ द्रास व बटालिक भी लोकप्रिय पर्यटन स्थल बन गए हैं। गत वर्ष लगभग बीस हज़ार देशी पर्यटक यहाँ आए थे। सहायक पर्यटन निदेशक रह चुके मोहम्मद हुसैन बताते हैं कि कश्मीर के बिगड़े हालातों का ख़ामियाजा कारगिल को भी भुगतना पड़ा है। विदेशी टूरिस्ट कारगिल की ओर कम रुख़ कर रहे हैं। लेकिन जून अंत तक बीस हज़ार देशी पर्यटक कारगिल पहुंच चुके थे। पर्यटन की दृष्टि से हुए विकास को छोड़ दें तो कारगिल के हालात नहीं बदले हैं।

भौगोलिक स्थिति- द्रास में वॉर मेमोरियल के अलावा कुछ नहीं है। युद्ध में उजड़े कई गांव आज भी नहीं बस पाए हैं। सर्दियों में छह-सात माह तक यह पूरा इलाका दुनिया से कट जाता है, क्योंकि इसे अमरनाथ यात्रा के बेस कैंप बालटाल से जोड़ने वाला जोजिला दर्रा भारी बर्फबारी के कारण बंद हो जाता है। रोहतांग दर्रा बंद होने पर मनाली-लेह वाला दूसरा रास्ता भी रुक जाता है।

नागरिक- यहाँ के नागरिक जीवट वाले और मिलनसार होते हैं। स्थानीय लोगों के लिए ये छह-सात महीने बहुत कठिन होते हैं। उनकी देशभक्ति की दाद सेना भी देती है। सेना का मानना है यदि वे मदद नहीं करते तो विजय में बहुत मुश्किलें आतीं। दर्रा बंद होने के बाद राशन भी मिलना मुश्किल हो जाता है। जोजिला में टनल बनाने की योजना है।

अविकसित क्षेत्र- 2003 में ऑटोनॉमस हिल डेवलपमेंट काउंसिल बनी थी, लेकिन कुछ हाई स्कूलों को हायर सेकंडरी स्कूल में बदलने और तकनीकी शिक्षा के लिए आईटीआई खुलने के अतिरिक्त कुछ अधिक विकास नहीं हो पाया।

आइस हॉकी- यहाँ के कुछ खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर आइस हॉकी खेलने जाते हैं। यहाँ पर फ़ोन सिग्नल की भी परेशानी रहती है। हिमालय बेल्ट में कारगिल मध्य एशिया के लिए प्राचीन रेशम मार्ग का केंद्र रहा है।

व्यापार- लेह, कश्मीर, जनकसर, पाक़ कब्ज़े वाले कश्मीर का स्कदरू और चीन की कई जगहों से कारगिल बराबर दूरी पर है। यदि कारगिल स्कदरू रोड को खोल दिया जाता है तो व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे। भारत-पाक के बीच कुछ साल पहले तीन सड़कें खोलने पर सहमति बनी थी, लेकिन बनते-बिगड़ते रिश्तों के चलते इन सड़कों को अब तक खोला नहीं गया है। जिस रास्ते को पूरा करने में आज 4-5 दिन लग जाते हैं। कारगिल-स्कदरू सड़क के खुलने के बाद उसे केवल 5-6 घंटो में पूरा किया जा सकेगा।

टाइगर हिल- साढ़े सोलह हज़ार फीट की ऊंचाई पर टाइगर हिल को दुश्मन के कब्जे से छुड़ाना सेना के लिए सबसे कठिन लड़ाई थी। इसी लड़ाई में परमवीर चक्र विजेता ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव ने शौर्य दिखाया था। वीरता की गाथा कहने वाली यह पहाड़ी अब पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रही है। यहाँ से सूर्योदय व सूर्यास्त बहुत सुंदर दिखाई देता है। इसलिए इस पहाड़ी को सनराइज और सनसेट पॉइंट के रूप में विकसित किया जा रहा है।

अपराध रहित क्षेत्र- कारगिल में अपराध न के बराबर है। इलाके के पुलिस थानों में आज तक कोई केस दर्ज नहीं हुआ, न कभी कोई बड़ी चोरी या लूट की घटना ही हुई। कारगिल में लड़के वाले शादी के वक़्त लड़की वालों को तोहफे देते हैं, इसलिए यहाँ दहेज के मामले भी नहीं बनते।

पोलो का खेल- ग्यारह साल पहले तोप के गोलों से गूंजने वाला द्रास अब पोलो के लिए विश्वभर में जाना जाएगा जो क्षेत्र की अपनी अलग पहचान है। हाल ही में राज्य सरकार ने द्रास-बटालिक के पोलो ग्राउंड को अंतरराष्ट्रीय रूप देने के लिए एक लाख रुपए देने की घोषणा की है।

मान्यताएँ- माना जाता है कि द्रास में पोलो पाकिस्तानी कब्जे के बल्तीस्तान से आया है। द्रास के राजा की शादी बल्तीस्तान में हुई थी और रानी के साथ पोलो भी आ गया। द्रास के द्राड़ लोगों के पुरखे भी पोलो खेलते थे। इसके सबूत आज भी देखे जा सकते हैं। द्रास और बटालिक में कारगिल विजय दिवस से लेकर हर छोटे-बड़े आयोजन के दौरान पोलो मैच ज़रूर होता। यह पोलो आधुनिक पोलो से ही मिलता-जुलता है।

देश की सबसे कमाऊ सड़कें, अकेले एक हाईवे की कमाई 1884 करोड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने देश की सबसे लंबे हाईवे और एक्सप्रेसवे के बारे में जरूर सुना होगा, लेकिन क्या देश की सबसे कमाई करने वाली सड़कों के बारे में जानते हैं, जहां टोल टैक्स से सरकारी की तगड़ी कमाई होती है। इस साल मार्च में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सबसे व्यस्त हाईवे पर पिछले 5 वर्षों में भारी टोल संग्रह हुआ है।

खास बात है कि इस मामले में देश में सबसे ज़्यादा यूजर चार्जेस वसूलने वाले 10 टोल प्लाज़ा सबसे आगे हैं। इनमें ग्रैंड ट्रंक रोड, दिल्ली-मुंबई हाईवे और ईस्ट कोस्ट हाईवे समेत भारत के कुछ सबसे महत्वपूर्ण रोड कॉरिडोर पर स्थित इन प्रमुख टोल प्लाज़ा ने 2019-20 से 2023-24 तक कुल मिलाकर 13,988 करोड़ रुपये से ज़्यादा की वसूली की है। हम आपको टॉप 5 हाईवे और टोल प्लाजा की जानकारी दे रहे हैं।

देश की सबसे कमाऊ सड़क और टोल कलेक्शन- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संसद में पेश किए जा चुके आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुजरात का भरथना टोल प्लाजा इस सूची में सबसे ऊपर है। राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के वडोदरा-भरूच खंड पर स्थित, भरथना ने पाँच वर्षों की अवधि में 2,043.81 करोड़ रुपये का चौंका देने वाला टोल टैक्स कलेक्शन किया, जिसमें अकेले 2023-24 में 472.65 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कलेक्शन शामिल है।

-दूसरे नंबर पर राजस्थान का शाहजहाँपुर टोल प्लाजा है, जो दिल्ली को मुंबई से जोड़ने वाले प्रमुख नेशनल हाईवे-48 के गुड़गांव-कोटपुतली-जयपुर सेक्शन पर स्थित है। इस टोल प्लाजा ने इसी पाँच साल की अवधि में 1,884.46 करोड़ रुपये का टोल कलेक्शन किया।

-पश्चिम बंगाल का जलाधुलागोरी टोल प्लाज़ा 1,538.91 करोड़ रुपये की वसूली के साथ तीसरे स्थान पर है। यह एनएच-16 के धनकुनी-खड़गपुर सेक्शन पर स्थित है।

-चौथे स्थान पर उत्तर प्रदेश का बाराजोर टोल प्लाजा है, जिसने 1,480.75 करोड़ रुपये की कमाई की।

30ल बढ़ा मुनाफा फिर भी इस कंपनी के शेयर में भूचाल, बेचकर निकलने लगे निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून तिमाही में शानदार तिमाही नतीजे की जानकारी देने के बावजूद बजाज ग्रुप की कंपनी- बजाज फिनसर्व के शेयरों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट देखी गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बजाज फिनसर्व के शेयर करीब 4 फीसदी तक टूट गए और भाव 1934.15 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। अगस्त 2024 में शेयर 1,523.75 रुपये तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का हाई 2,134.45 रुपये है। शेयर का यह भाव अप्रैल 2025 में था। बहरहाल, आइए जानते हैं कि जून तिमाही में बजाज फिनसर्व के नतीजे कैसे रहे।

जून तिमाही के दौरान बजाज फिनसर्व के नेट प्रॉफिट में 30.4ल की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई। इस वजह से कंपनी का प्रॉफिट 2,789 करोड़ रुपये हो गया जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 2,137.7 करोड़ रुपये थी। जून में समाप्त राजस्व पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 31,479 करोड़ रुपये से 12.6% बढ़कर 9 करोड़ 35 रुपये हो गया।

हालांकि, तिमाही आधार पर परिचालन से राजस्व 36,595 रुपये से 3.1ल घटकर 2,416.6 करोड़ रुपये हो गया। सामान्य बीमा व्यवसाय ने मुनाफा में 15% की वृद्धि के साथ 660 करोड़ रुपये का लाभ दिया।

छप्परफाड़ रिटर्न देने वाली इस सरकारी डिफेंस कंपनी को सेना से मिला बड़ा ऑर्डर, अब दम दिखाएंगे शेयर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमटेड को भारतीय सेना से बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी देते हुए बताया कि उसे भारतीय सेना से एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार बनाने का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। एक्सचेंज को दी गई सूचना के अनुसार यह ऑर्डर 1640 करोड़ रुपये का है।

एक्सचेंज फाइलिंग को दी जानकारी में बीईएल ने कहा कि भारतीय सेना को वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रेडार की आपूर्ति के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ कंपनी ने 1640 करोड़ के एक अनुबंद पर हस्ताक्षर किए हैं। छ्त्रष्ठ्ह द्वारा डिज़ाइन और ब्र्ध्र्रु द्वारा निर्मित ये स्वदेशी रडार हर मौसम की परिस्थितियों में दिन और रात के दौरान हवाई खतरों के खिलाफ प्रभावी रक्षा प्रदान करते हैं।

कंपनी ने आगे कहा कि अंतर्निहित ईसीएम क्षमताओं वाले इन रडारों का उपयोग प्रभावी तटस्थता के लिए वायु लक्ष्यों की निगरानी, अधिग्रहण, ट्रैकिंग और वायु रक्षा तोपों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है।

BEL ने जानकारी दी कि यह प्रणाली डिजाइन के आधार पर मॉड्यूलर है और इसे तैनात करना, संचालित करना और रखरखाव करना आसान है।

इससे पहले 30 जून, 2025 को, कंपनी ने कुल 528 करोड़ के नए ऑर्डर जारी किए थे, और 20 जून को, कंपनी ने 5 जून, 2025 के पिछले खुलासे के बाद से 585 करोड़ के अतिरिक्त ऑर्डर की घोषणा की थी।

बेल के शेयरों ने अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। एक जनवरी 1999 को इसके शेयर की वैल्यू 0.22 रुपये थी लेकिन आज यह 300 के पार जा चुकी है। अब तक इसके शेयर 179,513.64% का छप्परफाड़ रिटर्न दे चुका है।

अनिल अंबानी के लिए एक और बुरी खबर! LIC ने भी खींच लिए हाथ, घटा दी इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर का समय पिछले कुछ दिनों से अच्छा नहीं चल रहा है। सरकारी जांच एजेंसी ,प्रवर्तन निदेशालय ने 3,000 करोड़ रुपये के यस बैंक लोन धोखाधड़ी जांच में अनिल अंबानी से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। इसके बाद रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों में 2 दिन में 10ल तक गिर चुके हैं।

इस बीच अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के लिए एक और निराश करने वाली खबर आई है। दरअसल, एलआईसी ने इस कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। एलआईसी के जून तिमाही शेयरहोल्डिंग से यह पता चला है।

भारतीय शेयर बाजार में एलआईसी सबसे बड़ा संस्थागत निवेशक है, इसका कुल 277 कंपनियों में निवेश है। ल्ला में एलआईसी ने रिलायंस पावर में 13 बेसिस प्वाइंट स्टैक कम किया है, इसके साथ ही अनिल अंबानी की इस कंपनी में भारतीय जीवन बीमा निगम की कुल हिस्सेदारी घटकर 2.43 फीसदी रह गई है।

उधर, ईडी के छापे और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से घिरी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में इस तरह के लेनदेन में किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया।

जो ऊपर जा रहा है, वह ऊपर ही रहेगा? मोमेंटम इन्वेस्टिंग के लिए शुरुआती तर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोमेंटम इन्वेस्टिंग को समझना आसान है, जो ऊपर की ओर जाता है, वह ऊपर की ओर ही जाएगा, और जो गिर रहा है वह अक्सर नीचे की ओर गिरता है। इसका संबंध ट्रेंड को पहचानने और उसका लाभ उठाने के बारे में है–जैसे कोई सर्फर लहरों को पकड़ता है। यहां वैल्यू इन्वेस्टिंग को भी समझना जरूरी है, इसका मतलब यह हुआ कि निवेशक उन कंपनियों में निवेश करता है, जो अंडरवैल्यूड हैं और बदलाव का इंतजार कर रही हैं। जबकि, मोमेंटम इन्वेस्टिंग इन्वेस्टर साइकोलॉजी से चलता है, जो करेंट मार्केट ट्रेंड पर आधारित होता है।

मोमेंटम यानी गति के पीछे का मूल सिद्धांत बाजार की अकुशलता में निहित है। मानवीय व्यवहार जैसे ग्रीड, फियर और खबरों से लगाव प्राइस ट्रेंड को तार्किक रूप से लंबे समय तक बने रहने के अवसर पैदा करते हैं। जब कोई कंपनी अप्रत्याशित रूप से अच्छी कमाई की रिपोर्ट करती है या कोई क्षेत्र अचानक लोकप्रियता हासिल करता है, तो कीमतें लंबे समय तक बढ़ सकती हैं। झुंड (भीड़ का अनुसरण करना) और स्वभाव प्रभाव (शेयर को जल्दी बेचना और शेयर को होल्ड रखना) जैसे व्यवहारिक पूर्वाग्रह मोमेंटम स्ट्रैटेजी के लिए माहौल बनाते हैं।

प्राइस मोमेंटम और अर्निंग मोमेंटम-प्राइस मोमेंटम यह देखता है कि कोई शेयर अलग-अलग समय में अपने समकक्षों की तुलना में कैसा परफॉर्म कर रहा है। अच्छा परफॉर्म करने वाले शेयरों को अक्सर मांग, ट्रेंड या निवेशकों के उत्साह से फायदा मिलता है।

अर्निंग मोमेंटम और भी गहरी चीज है। यह उन कंपनियों पर फोकस करता है जो लगातार आय की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं या जिनके आगे बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना है। ये ट्रेंड फंडामेंटल के साथ अधिक ड्यूरेबल होते हैं।

एडेप्टेबिलिटी और डिसिप्लिन- मोमेंटम का फायदा इसकी एडेप्टेबिलिटी में शामिल है। आर्थिक विकास के दौरान, यह तेजी से बढ़ती कंपनियों की ओर साथ हो जाता है, अनिश्चित समय में, यह हाई-क्वालिटी या रक्षात्मक ऐसेट की ओर रुख करता है। यह लचीलापन निवेशकों को बदलते बाजारों के साथ तालमेल बिठाने में मदद करता है। लेकिन मोमेंटम इन्वेस्टिंग के लिए डिसिप्लिन यानी अनुशासन की आवश्यकता होती है।

नवरत्न कंपनी को रक्षा मंत्रालय से मिला बड़ा ऑर्डर, 1060% उछल चुके हैं कंपनी के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को रक्षा मंत्रालय से एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर 1640 करोड़ रुपये का है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इस ऑर्डर में भारतीय सेना को एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार की सप्लाई करेगी। स्वदेशी रडार को डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ने डिजाइन किया है और इसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने मैन्युफैक्चर किया है। यह रडार हर तरह के मौसम में दिन और रात दोनों ही समय हवाई खतरों से प्रभावी सुरक्षा उपलब्ध कराते हैं।

भारतीय सेना इन एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार्स का इस्तेमाल सर्वेलन्स, एक्विजिशन, एयर टारगेट्स को ट्रैक करने और प्रभावी न्यूट्रलाइजेशन के लिए एयर डिफेंस गन के कंट्रोल में करेगी। इन रडार में इनबिल्ट ईसीएम कैपेबिलिटीज है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

झूठा आरोप लगाकर युवक को बेरहमी से पीटा... घर लौटते ही कमरे में लगाई फांसी

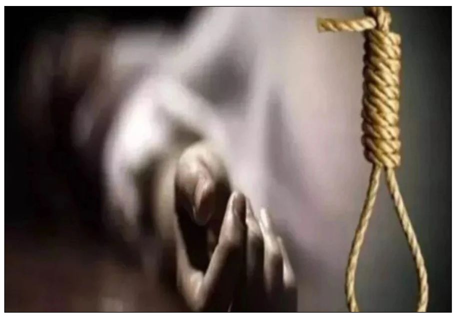

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र के वीएफजे इंद्रा नगर निवासी विनय सिंह गौड़ (18) पर बुधवार रात उस समय मानसिक आघात का पहाड़ टूट पड़ा, जब एक व्यक्ति ने उस पर झूठा आरोप लगाकर न सिर्फ सार्वजनिक रूप से अपमानित किया, बल्कि अपने साथियों के साथ मिलकर बेरहमी से पीटा भी।

विनय लाइटिंग का काम करता है और उस रात घर के बाहर बैठा था। उसी समय आयुष अग्रवाल वहां पहुंचा और विनय पर उसकी गाड़ी का कांच फोड़ने का आरोप लगाकर मारपीट शुरू कर दी। कुछ लोगों ने बीचबचाव किया, लेकिन आयुष विनय को जबरन खींचकर अपने घर के पास ले गया। वहां आशू, सुशील अग्रवाल और पप्पू के साथ मिलकर उसकी बुरी तरह पिटाई की गई।इस पूरी घटना से मानसिक रूप से आहत होकर विनय ने घर लौटते ही कमरे में जाकर फांसी लगा ली। सौभाग्य से उसकी मां ने उसे समय रहते देख लिया और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। उसकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

वही एक ओर मोबाइल से वीडियो बना रहा था युवक, चाकू से हमला-गोहलपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात को हुई एक अन्य वारदात में सोहेल खान नामक युवक पर तीन आरोपितों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में समीम अंसारी (25), मुन्ना खान (40) और सोहेब ओसमानी (25) शामिल हैं।

कुछ दिन पहले अहमद नगर क्षेत्र में एक विवाद हुआ था, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग सोहेल ने कर ली थी। इसी वीडियो को लेकर आरोपित इतने गुस्से में थे कि उन्होंने सोहेल पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

तवा बांध के तीन गेट खोले गए, निचले इलाकों में अलर्ट

इटारसी। नर्मदापुरम क्षेत्र में इन दिनों मानसून मेहरबान है। झमाझम बारिश से नदी-नालों में उफान आ गया है। इटारसी में तवा बांध के तीनों गेट खोल दिये गए हैं। कैचमेंट एरिया में जारी लगातार तेज वर्षा के कारण शुक्रवार शाम तवा बांध के तीन गेट खोले गए हैं। इस मानसून में यह पहला मौका है जब बांध से पानी छोड़ा जा रहा है।बांध के तीन गेट को शाम 4ः30 बजे के बाद खोलकर तवा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार दोपहर तक बांध के कैचमेंट एरिया में इनफ्लो बढ़ रहा था। गवर्निंग लेबल को देखते हुए बांध प्रबंधन ने पहले ही गेट खोलने का निर्णय कर लिया था।

तवा का वर्तमान जल स्तर 1159.80 फीट होने पर गेट खोलकर 14802 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। 31 जुलाई तक बांध में 1158 फीट जलस्तर नियंत्रित रखना है।इससे ज्यादा भराव होने पर गेट खोलकर अतिरिक्त पानी निकाला जा रहा है।

कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट कार्यपालन यंत्री तवा परियोजना ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा आगामी 24 घंटे में कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी दी गई है। तवा बांध के जल संग्रहण क्षेत्र पचमढ़ी, मटकुली एवं सीमावर्ती जिलों में हो रही निरंतर वर्षा से बांध में जल की बढ़ती आवक को देखते हुए बांध के 3 गेट को 3-3 फीट खोलकर अतिरिक्त पानी छोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने हालात को देखते हुए तवा एवं नर्मदा तटीय इलाकों में बसे गांव में अलर्ट जारी किया है।

अब वैष्णो देवी के दर्शन होंगे आसान...

जबलपुर। अमरनाथ व वैष्णो देवी के दर्शन की योजना बना रहे श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी खबर है। पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जबलपुर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच अगस्त महीने में विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन सीमित दो फेरों के लिए चलाई जाएगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सीधा कनेक्शन मिलेगा।

स्पेशल ट्रेन का संचालन - तारीख और समय

रेलवे के अनुसार, यह ट्रेन 01707 और 01708 नंबर से संचालित होगी।

ट्रेन नंबर 01707 जबलपुर से 4 अगस्त और 11 अगस्त को रवाना होगी। ट्रेन सुबह 5:25 बजे जबलपुर से चलेगी और अगले दिन शाम 6:00 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन पहुंचेगी।

रास्ते में यहां प्रमुख ठहराव होंगे-

कटनी मुड़वारा - सुबह 6:45 बजे

दमोह - 8:10 बजे

सागर - 9:15 बजे

झांसी, ग्वालियर, मुरैना आदि रास्तों से होकर ट्रेन कटरा पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 01708 - वापसी में 5 अगस्त और 12 अगस्त को कटरा से रात 9:15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 9:35 बजे जबलपुर पहुंचेगी।

वापसी मार्ग में यहां प्रमुख ठहराव होंगे-

सागर - तड़के 3:30 बजे

दमोह - 4:50 बजे

कटनी मुड़वारा - 7:15 बजे

जिम्मेदारों ने जब नहीं सुनी फरियाद तो ग्रामीणों ने खुद उठाई कुदाली और फावड़ा, बना डाली एक किलोमीटर लंबी सड़क

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के पाटी विकासखंड में रोसर ग्राम पंचायत क्षेत्र के दुर्गम पहाड़ी गांव बैड़ी फरतला, कड़ाई पानी फलियां और पिपरी फलियां तीनों गांव फलियों के लोग मिलकर सड़क बना रहे हैं। जनप्रतिनिधियों व शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों ने जब सुनवाई नहीं की तो इन गांव फलियों के ग्रामीण खुद ही हाथों में कुदाली-फावड़ा व सब्बल लेकर निकल पड़े सड़क बनाने।

करीब दो सप्ताह में अब तक ग्रामीणों ने मिलकर अपनी मेहनत से करीब एक किमी की खोदाई कर सड़क बनाई है। बाकी निर्माण कार्य जारी है। ग्रामीणों को करीब साढ़े तीन किमी लंबी पगडंडीनुमा कच्ची सड़क खोदाई कर बनानी है ताकि यहां से उनकी बैलगाड़ी, दोपहिया वाहन गुजर सके।

पहाड़ी के किनारे को खोदकर बना रहे सड़क-बैड़ी फरतला के धरमसिंह मुजाल्दे, पिपरी फलियां के सुनील मुजाल्दे, कड़ाई पानी के विजय जमरे एवं राहुल सोलंकी के अनुसार तीनों गांव फलियां के करीब 500 लोग मिलकर यहां पहाड़ी के किनारों को खोदकर सड़क बनाने का कार्य कर रहे हैं। अब तक करीब एक किमी की सड़क बना चुके हैं। पगडंडीनुमा कच्ची सड़क पहाड़ी के साइड से बना रहे हैं। करीब साढ़े तीन किलोमीटर कच्ची और चार से पांच फीट चौड़ी पगडंडीनुमा सड़क बना रहे हैं। इस कार्य में उपला फलिया के लोग भी सहयोग कर रहे हैं। सभी के श्रमदान से सड़क निर्माण किया जा रहा है।

खेती कार्य के दौरान समय निकालकर हर दिन कर रहे मेहनत-ग्रामीणों के अनुसार इन गांव फलियों के ग्रामीण मिलकर अलग-अलग समय में खेती कार्य के दौरान सड़क निर्माण कार्य भी कर रहे हैं। आए दिन कोई न कोई व्यक्ति सड़क कार्य को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। जिसे जैसा समय मिल जाता है वह वैसे अपने हिसाब से सड़क की खोदाई में लग जाता है।

झोली में ले जाते हैं मरीज, स्कूली विद्यार्थियों को भी होती है परेशानी-ग्रामीणों के अनुसार दुर्गम पहाड़ी गांवों में सड़कों के अभाव में एंबुलेंस व अन्य वाहन ऊपर तक नहीं जा पाते। ऐसे में कई बार ग्रामीण गंभीर मरीजों को झोली में लेकर पहाड़ी से पगडंडीनुमा रास्ते से नीचे उतरते हैं और मुख्य सड़क तक पैदल आकर फिर यहां से वाहन की मदद से अस्पताल पहुंचाते हैं। इसके साथ ही स्कूली विद्यार्थियों को भी आवागमन में परेशानी होती है।

जिपं को प्रस्ताव दिया, पत्राचार जारी-बड़वानी विधायक राजन मंडलोई ने कहा कि जिला पंचायत की बैठक में ऐसे गांव फलियों में सड़क निर्माण का प्रस्ताव रखा था लेकिन स्वीकृति नहीं मिली है। वहीं पहाड़ी क्षेत्र में कुछ अन्य भी ऐसे गांव हैं जहां सड़कें नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। सुदूर गांव-फलियों में सड़कों के निर्माण के लिए लगातार पत्राचार किया जा रहा है। विधानसभा में भी इस संबंध में प्रश्न लगाए हैं।

बड़वानी के प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत काजल जावला ने कहा कि मजरा टोला योजना में बनेगी सड़क -पहाड़ी क्षेत्रों के जिन गांव फलियों में सड़क नहीं है उसकी जानकारी जुटाकर प्रस्ताव भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री मजरा-टोला योजना में सड़क स्वीकृत हो चुकी होगी। सड़क संबंधी समस्या को हल करेंगे।

जबलपुर के फर्जी नियुक्ति पत्र देकर युवती से ली रिश्वत... रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

जबलपुर। जबलपुर में रेलवे में नौकरी का सपना दिखाकर एक युवक और उसकी महिला साथी ने न सिर्फ एक युवक से लाखों की ठगी की, बल्कि एक युवती को भी फर्जी नियुक्ति पत्र देकर झांसे में ले लिया। मामला सामने आते ही पुलिस ने धोखाधड़ी का एक और केस दर्ज कर जांच तेज कर दी है। रेलवे में नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर लोगों से लाखों रुपये ऐंठने वाले घमापुर निवासी राकेश सराठे और उसकी सहयोगी रेखा वर्मा पर अब एक युवती ने भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पीड़िता, आइटीआइ निवासी सुरभि साहू (23) ने माढ़ोताल थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि आरोपितों ने उससे एक लाख साठ हजार रुपये की ठगी की। सुरभि के अनुसार, राकेश उसकी फैमिली से पहले से परिचित था। उसने कहा कि उसकी रेलवे में ऊंचे अधिकारियों से जान-पहचान है और वह सुरभि को वहां लिपिक (क्लर्क) की नौकरी दिलवा सकता है। भरोसा जीतने के लिए राकेश ने सुरभि को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भी ले जाकर अपनी साथी रेखा वर्मा से मिलवाया, जिसे उसने डीईओ (डेटा एंट्री ऑपरेटर) बताया।

वहां कुछ औपचारिक बातचीत और फॉर्मेलिटी के बाद सुरभि को एक जाली चयन पत्र सौंप दिया गया। इसके बदले सुरभि के स्वजनों से एक लाख साठ हजार रुपये ले लिए गए। जब सुरभि ने नियुक्ति और ट्रेनिंग की तारीख पूछी, तो राकेश टालमटोल करता रहा। यह वही तरीका था जिससे राकेश ने कुछ दिन पहले संजीवनी नगर निवासी आदर्श पटेल को ठगा था।

सार्थक ऐप पर दर्ज उपस्थिति अनुसार ही शिक्षकों के वेतन का होगा भुगतान

निजी स्कूलों द्वारा टीसी, अंकसूची और छात्रवृत्ति रोके जाने पर डीईओ सख्त कार्रवाई करें

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आज संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में लोक शिक्षण प्रभारी संयुक्त संचालक श्रीमती अनिता चौहान, डिप्टी कलेक्टर और प्रभारी जिल शिक्षा अधिकारी अलीराजपुर श्रीमती निधी मिश्रा, लोक शिक्षण उपायुक्त विकास श्री पुरुषोत्तम पाटीदार, इंदौर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शान्तास्वामी भार्गव सहित इंदौर संभाग के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, सहायक आयुक्त, श्रीमती नीतू डोंगरे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने इंदौर संभाग में छात्रवृत्ति, पेंशन प्रकरणों की स्थिति, सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा, शाला भवन की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, निःशुल्क सायकल वितरण योजना, पाठ्यपुस्तकों के प्राप्त होने एवं वितरण की जानकारी आदि विषयों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी जिला अधिकारियों, जिला समन्वयक एवं सहायक आयुक्तों को निर्देश देते हुए कहा कि वे स्कूली शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी शालाओं (कक्षा 1 से 12वीं तक) के अध्यापकों की उपस्थिति सार्थक एप से अनिवार्य रूप से दर्ज करायें। इसी आधार पर शिक्षकों को प्रतिमाह वेतन का भुगतान किया जाये। साथ ही निर्धारित समय पर शाला में उपस्थित नहीं पाये जाने वाले शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए। संभाग के सभी जिलों के अधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालय, आश्रम, छात्रावास आदि का निरीक्षण कर बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि 31 जुलाई तक सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क सायकल वितरण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाये। साथ ही सेवानिवृत अधिकारियों के पेंशन प्रकरणों को निपटाये जाये। सांदीपनि विद्यालयों के निर्माण संबंधी समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न करायें। बैठक में श्री सिंह ने निर्देशित किया कि विद्यार्थियों द्वारा चाहे जाने पर उन्हें तुरंत ही अंकसूची, स्थानान्तरण प्रमाणपत्र (टीसी) तुरंत प्रदान करें। ऐसा नहीं करने वाले शैक्षणिक संस्थानों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

स्कूल, आंगनवाड़ी और छात्रावास के विद्यार्थियों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर। इंदौर जिले में भारत शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल, आंगनवाड़ी और छात्रावास के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने उक्त संबंध में भारत शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत मोबाइल हेल्थ दल वर्ष में एक बार शासकीय विद्यालय तथा शासन से अनुदान प्राप्त विद्यालयों में एवं वर्ष में दो बार छः-छः माह के अंतराल पर आंगनवाडी केन्द्रों का भ्रमण कर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको उपचार करते है। साथ ही जानकारी भारत शासन के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम पोर्टल पर दर्ज की जाती है। इसके अतिरिक्त समय - समय पर वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा जिले के समस्त छात्रावास में निवासरत बच्चों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम दल प्रत्येक 03 माह में एक बार अपने क्षेत्र में आने वाले छात्रावास का भ्रमण कर स्वास्थ्य परीक्षण करते है। ग्रामीण क्षेत्र के छात्रावास का भ्रमण स्वास्थ्य परीक्षण हेतु प्रत्येक माह छात्रावास के निकटतम केंद्र/क्षेत्र में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी/ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी / नर्सिंग ऑफिसर या ए.एन.एम. द्वारा कर जानकारी खंड कार्यक्रम प्रबंधक के माध्यम से जिला कार्यकम प्रबंधक इकाई में माह के अंत तक दी जाती है।

प्रतिभाशाली बच्चों को श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश के लिये दी जायेगी निशुल्क कोचिंग

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में प्रतिभाशाली बच्चों को देश के श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश की कोचिंग के लिये सुपर 100 योजना संचालित कर रहा है। कोचिंग के लिये चयनित बच्चों को विभाग शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल और शासकीय मल्हार आश्रम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंदौर में निशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक बच्चों को देश के चयनित इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉं और मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेजों में प्रवेश मिला है।

स्कूलों में चयन प्रक्रिया- सुपर 100 योजना में मेधावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निःशुल्क कोचिंग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। इस योजना में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। इस वर्ष राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन 26 जुलाई तक दिये जा सकते हैं। परीक्षा की तिथि 3 अगस्त 2025 रविवार को प्रथम पाली में जेईई के लिये और द्वितीय पाली में नीट की परीक्षा होगी। परीक्षा केन्द्र प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय के उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये हैं।

पीथमपुर सेक्टर-7 में भू-स्वामियों को किया गया भूखण्डों का आवंटन

इंदौर। मध्यप्रदेश निवेश क्षेत्र विकास नियम अन्तर्गत स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 का विकास कार्य एम.पी.आई.डी.सी.. द्वारा किया जा रहा है। योजनान्तर्गत सम्मिलित भू-धारकों को आपसी सहमति के आधार पर भूमि का अर्जन लैण्ड पुलिंग पद्धति से किया जा रहा है। भू-धारकों से अर्जित भूमि के एवज में कलेक्टर गाईड लाईन की दो गुना मुआवजा राशि का भुगतान किया जाता है, जिसमें 20 प्रतिशत मुआवजा राशि का भुगतान नगद रूप में तथा बकाया शेष 80 प्रतिशत मुआवजा राशि के समतुल्य विकसित भूखण्ड उन्हें आवंटित किये जाने का प्रावधान है।

इस संबंध में श्री हिमांशु प्रजापति, कार्यकारी संचालक द्वारा अवगत कराया गया है कि स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 हेतु 01 जनवरी 2022 से 31 अगस्त 2022 तक जिन भूमि धारकों से भूमि एम.पी.आई.डी.सी.. द्वारा प्राप्त की जाकर विक्रयपत्र पंजीकृत किये गये थे, ऐसे भूमि धारकों को आज स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 में व्यावसायिक तथा रहवासी भूखण्डों का आवंटन सॉफ्टवेयर/लॉटरी के माध्यम से एम.पी.आई.डी.सी., क्षेत्रीय कार्यालय में सम्पन्न हुआ। श्री प्रजापति ने बताया कि उक्त प्रक्रिया के तहत 23 भू-स्वामियों को राशि रूपये उनपचास करोड़ बयालीस लाख रूपये के 11 व्यवसायिक तथा 458 आवासीय कुल 469 भूखण्डों का आवंटन किया गया है। श्री प्रजापति ने बताया है कि 01 सितम्बर 2022 से 31 दिसम्बर 2022 के ऐसे भू-स्वामी, जिनके द्वारा एम.पी.आई.डी.सी. को भूमि सौंपी जाकर विक्रय पत्र पंजीकृत किये गये हैं, उनका आवंटन 28 जुलाई 2025 को दोपहर 2 बजे एम.पी.आई.डी.सी., क्षेत्रीय कार्यालय, इन्दौर में किया जायेगा।

बिना परमिट संचालित तीन बस जब्त, वसूला एक लाख 40 हजार रुपये जुर्माना

इंदौर। इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर स्कूली तथा अन्य वाहनों की चेकिंग का अभियान सतत चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। इस अभियान के तहत आज की गई कार्रवाई में बिना परमिट संचालित तीन वाहनों को जप्त किया गया। संबंधित वाहनों के संचालकों के विरूद्ध एक लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूली की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, विशेष रूप से स्कूल तथा कॉलेजों के वाहनों की सघन जाँच की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आबकारी विभाग इंदौर द्वारा नशा मुक्ति के लिये की जा रही है सशक्त पहल

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग इंदौर द्वारा जिले में नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत प्रभावशाली जनजागरण गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

इस अभियान के अंतर्गत जिले की सभी 173 कंपोजिट मदिरा दुकानों पर नशामुक्ति संबंधी पोस्टर प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों एवं उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही विभाग के फील्ड स्टाफ द्वारा विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों में जाकर विद्यार्थियों को नशे की बुराइयों के प्रति जागरूक किया गया, उन्हें वैकल्पिक स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी दी गई और ÷ना कहना सीखें÷ जैसे प्रेरक संदेश साझा किए गए। इसके अंतर्गत आबकारी के विभिन्न वृत्त प्रभारियों द्वारा इंदौर में विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियां संचालित की गई।

वृत्त मालवा मिल अ प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्री महेश पटेल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विजयनगर में पूर्व पार्षद श्री जितेन्द्र बुंदेला की उपस्थिति में कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे बचने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इसी तरह वृत्त भोई मोहल्ला प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक श्री मनमोहन शर्मा, वृत मालवा मिल ब प्रभारी उप निरीक्षक श्री सुनील मालवीय और वृत आंतरिक एक प्रभारी उपनिरीक्षक श्री आशीष जैन द्वारा ग्रीनलैंड उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विजयनगर और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दूधिया में छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे बचने के बारे में जानकारी दी गई।

वृत्त पलासिया प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक सुश्री प्रियंका चौरसिया, वृत सांवेर प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक त्रिअम्बिका शर्मा और वृत आंतरिक दो प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक जया मुजाल्दे द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय पांदा और लास सेजेस उच्चतर माध्यमिक स्कूल राऊ में छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव और उससे बचने के बारे में जानकारी दी गई।

नगर निगम सीमा में आने के 11 साल बाद भी तुलसी नगर सड़क, नाले से वंचित

इंदौर। देश का सबसे स्वच्छ शहर, इंदौर, जो आठ बार लगातार स्वच्छता सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान हासिल कर चुका है, अपनी चमकती सड़कों और व्यवस्थित शहरी ढांचे के लिए जाना जाता है। लेकिन इस चमक के पीछे एक ऐसी कॉलोनी का दर्द छिपा है, जिसे देखकर लगता है मानो इसे भुला दिया गया हो। तुलसी नगर कॉलोनी, जो 2014 में इंदौर नगर निगम की सीमा में शामिल हुई, आज भी गड्ढों, कीचड़ और उपेक्षा की मार झेल रही है। 11 साल बीत गए, लेकिन तुलसी नगर के निवासियों का सपना–पक्की सड़कें,

साफ-सुथरा ड्रेनेज सिस्टम–आज भी अधूरा है। बारिश का मौसम आते ही यह कॉलोनी तालाब में तब्दील हो जाती है, और रहवासियों का जीवन मुश्किलों के दलदल में फंस जाता है।

उपेक्षा की मार, टूटे सपनों की कहानी- तुलसी नगर को 2014 में नगर निगम में शामिल तो किया गया, लेकिन इसे वैध से अवैध घोषित कर इसके विकास को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। निवासियों ने सालों तक संपत्ति कर, जल कर और अन्य सभी करों का भुगतान किया, लेकिन बदले में उन्हें मिलीं सिर्फ टूटी-फूटी सड़कें, गंदगी और अनसुनी शिकायतें। वर्ष 2023 में लंबे संघर्ष के बाद कॉलोनी के 2400 में से 540 प्लॉटों को वैध करार दिया गया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

श्री नारायणा धाम से निकली सम्पूर्ण स्वर्णगिरी पर्वत परिक्रमा यात्रा

हजारों श्रद्धालु हुए शामिल, मां पार्वती धाम पहुंचकर किया माता पार्वतीजी का जलाभिषेक

उज्जैन। श्री स्वर्ण गिरी पर्वत स्थित श्री नारायणा धाम में सम्पूर्ण स्वर्णगिरी पर्वत परिक्रमा यात्रा भव्य स्वरूप में निकली। हजारों श्रद्धालुओं ने श्री कृष्ण सुदामा सरोवर एवं महाकालेश्वर मन्दिर परिसर स्थित कोटि कुण्ड के साथ ही पवित्र नदियों के पवित्र जल से श्री कृष्णेश्वर महादेव का जलाअभिषेक कर यात्रा के रूप में नाचते गाते हुए माता पार्वती धाम बरखेड़ा पहुंच कर माता पार्वतीजी का जलाभिषेक किया।

डॉ मोहन शर्मा एवं गोपीलाल आंजना ने बताया कि श्री कृष्ण सुदामा उत्सव समिति के तत्वावधान में निकली यात्रा में प्रातः 8 बजे से मन्दिर पर श्री कृष्ण सुदामाजी के चरण पूजन के साथ श्री कृष्णेश्वर महादेव का जलाभिषेक एवं श्री कृष्ण सुदामा सरोवर व मन्दिर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान का प्रारंभ कर यात्रा प्रारंभ हुई। श्री कृष्ण सुदामाजी के

मित्रता स्थली ग्राम-नारायणा धाम पर एक पेड़ माँ के नाम पौधा रोपण कर सम्पूर्ण स्वर्णगिरी पर्वत पर पौधा रोपण प्रारम्भ वरिष्ठ नेता पुर्व राज्य मंत्री दर्जा किशन सिंह भटोल, बहादुर सिंह बोरमुंडला, जनपद अध्यक्ष कृष्णा शिवनारायण सुर्यवंशी, यात्रा संयोजक केशर सिंह पटेल, बहादुर सिंह पंवार एवं अतिथियों द्वारा किया। उसके पश्चात सरोवर के जल के साथ ही पवित्र जल कृष्ण सुदामाजी के चरण पूजन के साथ ही श्री कृष्णेश्वर महादेव को जल अर्पित कर ध्वज पुजन क्रांतिकारी संत अवधेश पुरी महाराज पीठाधीश्वर स्वस्तिक पीठ, गुरु मां डॉ विध्या पुरी महाराज, महंतश्री निलेशानंद महाराज, पुजारी दौलतराम शर्मा, आत्मा राम शर्मा, प्रेम नारायण शर्मा, डॉ भवानी शंकर शर्मा, बद्री लाल शर्मा, संदीप गुरु आदि ने ध्वज पुजन कर यात्रा संयोजक केशर सिंह पटेल के हाथो में देकर यात्रा सम्पूर्ण स्वर्णगिरी तीर्थ पर्वत यात्रा प्रतिवर्षानुसार प्रारंभ हुई। जो नारायणा से चौकी, महूखेड़ा, तुलसापुर, बागला से होते हुवे मां पार्वती धाम पहुंची। यहाँ पर हजारों वर्ष पूर्व माँ पार्वती जी ने तपस्या की थी जिसके साक्ष्य आज भी मौजुद है। मां के चरणों का जलाभिषेक के साथ भोजन विश्राम किया एवं परिसर में माँ के नाम का पौधारोपण मोहन सिंह पंवार, बहादुर सिंह पंवार, धीरज सिंह चौहान, जितेन्द्र मंडोरा, ज्योतिर्विद पण्डित मनोज तिवारी, समाज सेवी हरिसिंह यादव, विजय सिंह गोतम, सुधीर मूणत, करण सिंह द्वारा कर यात्रा पुनः प्रारंभ हुई। यात्रा मार्ग पर चलते हुवे ग्राम-वरखेड़ा बुजुर्ग, से कुकल खेड़ा से बालोदा होकर शेरपुर-चौपाटी पर विधायक दिनेश जैन बॉस ने स्वागत किया।

नारायणा धाम पहुंची यात्रा में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, ओम प्रकाश मोहने आरती पूजन में शामिल हुए। सवा पाँच कौस (16 किलोमीटर) की यात्रा पूर्णता के साथ प्रभु प्रसादी (भोजन प्रसादी) उपरान्त समापन हुई।

वार्ड क्रमांक 13 में निर्माण कार्य का उद्घाटन कर पौधारोपण किया

चादर पेश कर अच्छी बारिश के लिए की दुआ

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 13 जूना सोंमवारिया स्थित क़ब्रेस्तान में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष एवं पार्षद इमरान खान द्वारा पौधारोपण एवं निर्माण कार्य के उद्घाटन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करने से पहले कब्रिस्तान में हज़रत गुलाम हैदर व सरकार हज़रत सत्तार साहब की कबर मुबारक पर चादर पेश की और अच्छी बारिश के लिए दुआ की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी , नेता प्रतिपक्ष रवि राय, शाकिर भाई खालवाले, ब्लॉक अध्यक्ष अभिसेक लाला उपस्थित थे।आबिद ख़ान ने जानकारी देते हुए बताया कि कब्रिस्तान में बड़े लंबे समय से दफन करने आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

क्योंकि यहां पर लोगों के लिए छांव से बचने व बरसात से बचने के लिए कोई साधन नहीं था। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्षद मद के 12 लाख रुपए की लागत से काम कराया जा रहा है। जिसमें क़ब्रेस्तान में टीन शेड एवं सोन्दरीयकरण का निर्माण कार्य होगा।

जागृति नशा मुक्ति केंद्र पर दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

उज्जैन। राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मक्सी रोड़ स्थित जागृति नशा मुक्ति केंद्र पर नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान पार्षद एम आई सी सदस्य जितेन्द्र कुवाल, मंडल उपाध्यक्ष महेन्द्र मरमट, मंडल मंत्री सुरज वर्मा, कमलेश मरमट, शहरी क्रमांक -2 परियोजना अधिकारी प्रीति कटारिया, परिवेक्षक ज्योति सिरे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रीति बडगोतिया, गीता तिलकर, नीलम जाटवा, अपेक्षा शुक्ला, निर्मला कैथवास, इंद्रा गोठवाल, रेखा तिलकर आदि।

श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ ने की सतगुरु रविदासजी की महाआरती

उज्जैन। हरियाली अमावस्या पर श्री गुरु रविदास विश्वमहापीठ मध्य प्रदेश द्वारा पंचमपुरा स्थित संत रविदासजी के मंदिर में सतगुरु संत रविदास महाराजजी की भव्य संगीतमय महाआरती रविदास सेवक संघ उज्जैन अध्यक्ष मुकेश खलीफा के नेतृत्व में श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ मध्य प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने के मुख्य आतिथ्य मे संपन्न हुई।

सर्व रविदास अनुयायी समाज परिषद मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव रमेशचंद्र सुर्यवंशी ने बताया की आरती एवं वृक्षारोपण के पश्चात रविदास सेवक संघ उज्जैन के समस्त पदाधिकारीगणों, वरिष्ठ सामाजिक बंधुवर, युवा साथीयों द्वारा महापीठ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश मोहने का साफा बाध पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर रविदास सेवक संघ उज्जैन के अध्यक्ष मुकेश खलिफा, उपाध्यक्ष संजय पिपरीया, राजेश सुर्यवंशी विक्रम नगर, दीपक सुनेहरे, जितेन्द्र सुनेहरे, विजय पिपरिया, रोहित सिसोदिया, पेलवान अजय राठौर, जितेन्द्र सुर्यवंशी, यीसु सुर्यवंशी, दयाराम सुर्यवंशी, राजा बिडलिया, निखिल सुर्यवंशी, नकुल सुर्यवंशी, बसंत काका, आदर्श सुर्यवंशी, विजय उज्जैनी, विजुभाई, रवि डोर, भीम बामने, मनोज वामने, संत रविदास जाग्रत युवा संगठन उज्जैन के अध्यक्ष, विनोद चोपडा, आकाश चुरीया, जितेन्द्र मंडोर, शुभम जेवरिया, पंकज जाटव, राहुल चोपडा, विजय चंद्रवंशी, छोटु राजश्री, भजन गायक रामचंद्र गागोलिया, भरत गांगोलिया, दिलीप अहिरवार, अनील अहिरवार, अजाक्स जिलाध्यक्ष डॉ रतनलाल परमार, महासचिव प्रवीण गेहलोत, भेरुसिंग परमार, जगदीश गुजराती, अंकित मोहने, सीताराम समरवाल, भागीरथ आमोलिया आदि।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत हुई निबंध एवं आशु भाषण प्रतियोगिता

उज्जैन। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत, सहकारिता संभाग उज्जैन एवं जिला सहकारी संघ उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 25 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिंतामण जवासिया में निबंध एवं आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता विभाग संभाग ए. के. सिंह, विशेष अतिथि सहायक आयुक्त एवं प्रशासक जिला संघ संजय कौशल, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य अमितोज भार्गव ने सहकारिता का सप्तरंगी ध्वजे झंडावदन कर, सहकारी गीत का वाचन कर, एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत स्कूल प्रांगण में पोधारोपण कर व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित किया। उपस्थित अतिथियों ने निबंध एवं आशु भाषण विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र और शिल्ड देकर पुरस्कृत किये गये।

कार्यक्रम के शुरुआत में छात्रों द्वारा आशु भाषण की बेहद ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां दी गई। जिला सहकारी संघ के प्रभारी प्रबंधक सुमेरसिंह सोलंकी ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी में सहकारिता की अलख जगाने हेतु अधिक से अधिक स्कूलो में इस प्रकार के कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अंतर्गत, आयोजित किये जायेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए. के. सिंह, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता संभाग ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर सभी शिक्षको एवं बच्चो को सहकारिता वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा का ध्यान रखे, जिससे हमें बढ़ते प्रदूषण से मुक्ति के साथ ही हमें शुद्ध वायु मिलती रहे।

इसके साथ ही उपस्थित सभी बच्चो से अपने घर के आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखें जिससे की हम स्वस्थ बने रहें, व साथ ही अपने आस-पास की सहकारी संस्थाओं में जाकर जानकारी प्राप्त करें। विशेष अतिथि संजय कौशल ने सहकारिता से लाभ हेतु किसी भी क्षेत्र के लिये सहकारी संस्था बनाई जा सकती है, इसमें सहकारिता विभाग आपको पूर्ण मदद करेंगा। सहकारिता विभाग के अंकेक्षण अधिकारी संजीव शर्मा ने कहा कि हमारे अन्दर विषम भावनाएं होने के बावजूद भी सहकारिता की भावना से कार्य करते है तो हम निश्चित रूप से सफल होकर अपना, अपने परिवार का समाज का व देश का भला कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य अमितोज भार्गव ने सहकारिता विभाग और जिला संघ के द्वारा इस प्रकार के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम अधिक से अधिक स्कूलो में होना चाहिये, जिससे की बच्चों में सहकारिता का ज्ञान हो, साथ ही आपने कहा कि सहकारिता का एक पाठयक्रम को कोर्स में विस्तृत रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिये। कार्यक्रम में संयुक्त कार्यालय संभाग उज्जैन के ज्ञानीजी, सेवा सहकारी संस्था मर्या., चिंतामण जवासिया के प्रबंधक अबरार खान, पावन यादव, पूर्व उप सरपंच उमरावसिंह, स्कूल शिक्षक संगीता श्रीवास्तव, नारायणसिंह, विवेक वर्धन चतुर्वेदी, अशोक धोलपुरिया, निलेश मिश्रा, चित्रांशु परमार, गरिमा शर्मा, ज्योति रावल, अनामिका कश्यप उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण पटेल ने किया तथा आभार अनामिका दवे ने माना।

अ.भा. प्रजापति कुं. महासंघ ने मनाया पौधारोपण महोत्सव 1001 पौधे लगाने का लिया संकल्प

उज्जैन। अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ जिला एवं युवा शाखा उज्जैन द्वारा जिला अध्यक्ष प्रकाश प्रजापत एवं युवा जिला अध्यक्ष कमल नंदवाना के संयुक्त नेतृत्व में जीवन खेड़ी स्थित फार्म हाउस पर प्रदेश प्रवक्ता गुलाब प्रजापति का जन्म दिवस अनूठे अंदाज में पौधारोपण महोत्सव के रूप में 1001 पौधे लगाने के संकल्प के साथ मनाया। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष नारायण यादव, जिला सचिव सुरेंद्र यादव, राष्ट्रीय संगठन सचिव छगन लाल चक्रवर्ती, प्रदेश महासचिव कैलाश प्रजापत, प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ दुलीचंद प्रजापति, प्रदेश कोषाध्यक्ष राधा किशन प्रजापत, प्रदेश सह सचिव गोकुल प्रजापत, संभाग अध्यक्ष राजू बाबा, बीपीएचओ प्रमुख मुकेश प्रजापत मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों एवं समाज बंधुओ ने मिलकर पौधारोपण महोत्सव में पौधे लगाकर यहां संकल्प लिया कि आगामी सावन माह के अंदर इस 1001 पौधे को हम लगाकर प्राकृतिक के सौंदरीकरण को बढ़ाने का काम करेंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com